# विमर्श

## मानविकी के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य

डॉ. राधा ओझा

# विमर्श
## मानविकी के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य

**संपादक**
**डॉ. राधा ओझा**
*असिस्टेंट प्रोफेसर*
*राजनीति विज्ञान विभाग*
*करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पी.जी कॉलेज*
*लखनऊ।*

**नालंदा प्रकाशन**
**दिल्ली**

ISBN : 978-93-91018-67-2

© संपादक

प्रकाशक
नालंदा प्रकाशन
C-5/189 यमुना विहार, दिल्ली-110053
✆ : +9968082809, 9315194807
✉: nalandaaprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण– 2023

अक्षर संयोजक
दीपिका शर्मा, दिल्ली-94

मुद्रक
ट्राईडेंट इटरप्राइजेज, दिल्ली-32

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अं को, फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रानिक अथवा मशीनी, किसी के माध्यम से, अथवा ज्ञान संग्रहण एवं पुर्नप्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित- प्रसारित न किया जा सकता। प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने और व्यक्तिगत हैं। सम्पादक उन लिए उत्तरदायी नहीं हैं।

**विमर्श: मानविकी के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य**
*डॉ. राधा ओझा*
*editorvimarsh22@gmail.com*

# अनुक्रमणिका


*प्राक्कथन*

1. **नारीवाद : बहुआयामी स्वरूप** 1
   डॉ. राधा ओझा
2. **असहयोग आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका** 16
   डॉ. मुनेन्द्र सिंह
3. **अबुल फज़ल : मध्ययुगीन उदारवाद के प्रणेता** 22
   डॉ. रवि प्रताप सिंह
4. **पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का विराट व्यक्तित्व एवं राजनीतिक दर्शन** 41
   डॉ. ताबिन्दा सुल्ताना
5. **समाज के विकास में सामुदायिक रेडियो की भूमिका** 50
   डॉ. सुनील कुमार
6. **भारतीय अर्थशास्त्र की अवधारणा और अंबेडकर** 59
   डॉ. नफीस हाशिम रिजवी
7. **वैश्वीकरण का विकास और महिला सशक्तिकरण** 71
   डॉ. विभा सिंह
8. **पंचायती राज व्यवस्था : सम्भावनाएँ एवं चुनौतियाँ** 79
   डॉ. प्रतिभा ओझा